''आर्मी वेलफेयर फंड बेटल केजुअल्टी'' खाते हेतु एक लाख एक हजार रू. एकत्रित

म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं, प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर समितियों व अन्य समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा रतलाम जिले के 06 विकासखण्डों (रतलाम, आलोट, जावरा, पिपलोदा, सैलाना एवं बाजना के कुल 03 नगर, 67 ग्राम के लगभग 35,000 आमजनों से संपर्क कर (01 रूपये प्रति व्यक्ति स्वैच्छिक अंशदान के माध्यम से) कुल राशि रूपये 1,01,000/– (एक लाख एक हजार रूपयें मात्र) राशि संग्रहित हुई।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर ''आर्मी वेलफेयर फंड बेटल केजुअल्टी'' खाते में देशवासियों से 01 रूपया प्रति व्यक्ति अंशदान देने हेतु आग्रह किया गया था। प्रधानमंत्री जी की अपील से प्रेरित होकर म.प्र. जन अभियान परिषद् जिला रतलाम के द्वारा अभियान चलाकर राशि एकत्रित की गयी।

म.प्र. जन अभियान परिषद जिला रतलाम द्वारा ''आर्मी वेलफेयर फंड बेटल केजुअल्टी'' फंड हेतु ''एक लाख एक हजार'' का डी.डी मान. मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया। कार्यक्रम में रतलाम जिले के जिला जन अभियान समिति के उपाध्यक्ष अशोक पाटीदार, संभाग समन्वयक, जिला समन्वयक, जिले के समस्त विकासखण्ड समन्वयक तथा प्रस्फुटन समिति के सदस्य, कम्यूनिटी लीडर, नवांकुर समितियां, मेंटर आदि उपस्थित रहे।

पहाड़ी को सुंदर बनाने हेतु पौधरोपण, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में पंजीकृत

धार जिले के विकासखण्ड तिरला के ग्राम भूतिबावडी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष बापूजी, सीएमसीएलडीपी प्रथम वर्ष के छात्र शोभाराम एवं ज्ञानपुरा सामाजिक विकास समिति के श्री विकास शर्मा द्वारा पौधरोपण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। ग्राम भूतिबावडी में स्थित पहाड़ी पर प्रस्फुटन समिति सदस्य, सीएमसीएलडीपी के 30 विद्यार्थियों सहित नवांकुर समिति एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से पहाड़ी को हरा–भरा करने हेतु पूर्व से 825 गड्डे श्रमदान से खोदे गये। प्रस्फुटन समिति सदस्यों सहित सीएमसीएलडीपी के 30 विद्यार्थियों ने पौधरोपण का कार्य किया गया। इस कार्य की 15 दिन पूर्व से तैयारी की गई। विकासखण्ड तिरला के विभिन्न ग्रामों में 31,750 पौधों का लक्ष्य बनाकर कार्ययोजना बनाई गई थी। इन स्थानों पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास ने अपने लक्ष्य में जोड़कर पौधारोपण किया गया। जिसमें से 825 स्थानों के लिये विभाग ने ही पौधे दिये। इस स्थान को गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया है। एक सप्ताह तक गडडे खोदे गये एवं 8 घण्टे में 825 पौधों को रोपण किया गया। आज पहाड़ी पर सभी 825 पौधे जीवित हैं।